

25  
7  
24

पत्रावली पेश। वकील तारी  
बजि। तहसीलदार बोंगारागढ।  
से बड़बजु रिपोर्ट <sup>बु</sup>साजा।  
बाजील मिसल रहे। वकील  
तारी ने रुडपडीय कहल  
मुने वरि। वकील तारी  
ने निवेदन किया कि  
तहसीलदार बोंगारागढ  
से साज रिपोर्ट बजुका  
नाम इरुकर किया जाने।  
से तहसीलदार बोंगारागढ।  
से साज रिपोर्ट क

पन्नावली का जवलोहन किया।  
 जिससे स्पष्ट है कि ज.न.  
 1047, गंगु नगरी में  
 नेजाराय पुत्र गोपीराम की  
 है। तबदि वस्तुतः में  
 नेजाराय पुत्र गोपीराम की है।  
 नाम: तहसीलदार बंगोराम  
 की रिपोर्ट के अनुसार  
 न्याया सं. 104 में नेजाराय  
 पुत्र गोपीराम के हयात  
 पर नेजाराय पुत्र गोपीराम  
 दिये जाते हैं। तहसीलदार  
 दिये जाते हैं। तहसीलदार  
 बंगोराम को शेष  
 दिये जाते हैं कि किसी  
 की न्यायालय का स्थान  
 जानि न वे वे जवला  
 वरामद करवाना सुनिश्चित  
 करें। पन्नावली केवल  
 बुझाए वेक नम्बर से  
 कर देना वाकिल परत  
 वे।

